C-11 TEACHER TRANING COLLEGE
Guidance & Counselling
Date :

Techniques for Collection Information's Non-Standardized Method and Standardized Method

एक मानकीकृत परीक्षण एक परीक्षण है जिसे एक सुसंगत या मानक तरीके से प्रशासित और स्कोर किया जाता है। मानकीकृत परीक्षणों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि प्रश्न, प्रशासन के लिए शर्तें, प्रक्रियाएं और व्याख्याएं हैं और उन्हें पूर्व निर्धारित, मानक तरीके से प्रशासित और स्कोर किया जाता है। कोई भी परीक्षा जिसमें सभी परीक्षार्थियों को एक ही परीक्षा समान तरीके से दी जाती है और सभी के लिए एक ही तरीके से वर्गीकृत किया जाता है, एक मानकीकृत परीक्षा है।

मानकीकृत परीक्षणों के लिए उच्च-स्तरीय परीक्षण, समय-सीमित परीक्षण या बहु-विकल्प परीक्षण की आवश्यकता नहीं होती है। प्रश्न सरल या जटिल हो सकते हैं। स्कूली छात्रों के बीच विषय अक्सर शैक्षणिक कौशल होता है लेकिन ड्राइविंग टेस्ट, रचनात्मकता, व्यक्तित्व, पेशेवर नैतिकता या अन्य विशेषताओं सहित लगभग किसी भी विषय पर एक मानकीकृत परीक्षा दी जा सकती है।

Scanned with CamScanner

Page No.
Date:

गैर-मानकीकृत परीक्षण है, जिसमें या तो काफी अलग-2 परीक्षार्थियों को अलग अलग दिए जाते है या एक ही परीक्षण को काफी अलग-2 परिस्थितियों में सौंपा जाता है, जिसमें या तो काफी अलग-2 परीक्षार्थियों के अलग-अलग परीक्षण दिए जाते है। या एक ही परीक्षण को काफी अलग-2 परीक्षण दिए जाते है।

Ex- एक समूह के परीक्षण की तुलना में परीक्षण को पूरा करने के लिए बहुत कम समय की अनुमति है (अगले समूह) करने के लिए बहुत कम समय की अनुमति है (अगले समूह) या अलग-2 मूल्यांकन किया। उदाहरण के लिए, एक ही उत्तर को एक छात्र के लिए सही गिना जाता है, लेकिन दूसरे छात्र के लिए गलत है।

क्योंकि सभी को समान परीक्षण और समान ग्रेडिंग प्रणाली प्रणाली मिलती है, इसलिए मानकीकृत परीक्षणों को अक्सर गैर-मानकीकृत परीक्षणों की तुलना में उचित माना जाता है, इस तरह के परीक्षणों को अक्सर निष्पक्ष और एक प्रणाली की तुलना में अधिक उद्देश्य के रूप में माना जाता है।

जिसमें कुछ छात्रों को एक आसान परीक्षा मिलती है। और दूसरों के अधिक कठिन परीक्षा मिलती है।

Function of Guidance and Counselling Services
Role and Requirement of Guidance & Counselling

मानव यन्त्रों की भीड़ में स्वयं भी यन्त्रवत् बनता जा रहा। भारत आदि अनेक देशों की सरकारों ने मानव को संसाधन मानकर इस आग में घी डालने का काम किया है।

आधुनिक तकनीकी युग में मनुष्य का अधिकांश समय किसी न किसी प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने में ही व्यतीत होता है। इसके अतिरिक्त मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण भाग, जिसे हम किशोरावस्था एवं युवावस्था के नाम से सम्बोधित करते हैं विद्यालयों में बीतता है। इसलिये उसके सामने शैक्षिक निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है।

अध्ययन में मन लगाने के लिए, उपलब्धि का स्तर ऊँचा उठाने के लिए, आदत में सुधार के लिए अथवा इसी तरह के किसी अन्य कारण से जब हम अपने उपलब्धि को सकारात्मक निर्देशन दें तथा उसे आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें। उपलब्धि को सकारात्मक निर्देशन दें तथा उसे मानने के लिए स्वतन्त्र करें निर्देशन की प्रक्रिया लचीली होनी चाहिए। व्यक्तिगत भिन्नता को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को समान महत्व दिया जाना चाहिए तथा उपलब्धि के सम्पूर्ण विकास

का प्रयोग करना चाहिए।

परामर्श निर्देशन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है, दोनों का ही उद्देश्य भी एक ही होता है। क्योंकि जिस प्रकार निर्देशन का उद्देश्य व्यक्ति को आत्म-समायोजन के योग्य बनाता है। इसी प्रकार परामर्श के माध्यम से भी, व्यक्ति को आत्म-पथ निर्देशन हेतु सक्षम बनाया जाता है। परन्तु फिर भी इन दोनों में पर्याप्त अन्तर है। निर्देशन किसी भी व्यक्ति के द्वारा प्रदान किया जा सकता है, यह आवश्यक नहीं है कि निर्देशन प्रदान करने वाला व्यक्ति पूर्ण प्रशिक्षित हो परन्तु परामर्शदाता के लिये, पूर्ण प्रशिक्षित होना परम आवश्यक होता है। इसके अतिरिक्त दोनों में एक प्रमुख अन्तर यह है कि परामर्श एक समय में केवल एक ही व्यक्ति के लिये उपलब्ध होता है, जबकि निर्देशन वैयक्तिक एवं सामूहिक दोनों प्रकार का होता है। साथ ही निर्देशन किसी व्यक्ति के द्वारा ही प्रदान किया जाये यह आवश्यक नहीं है पत्र-पत्रिकाओं, पुस्तकों एवं समाचार के द्वारा भी निर्देशन सुलभ कराया जा सकता है, परामर्श में पारस्परिक विचार विमर्श एवं तर्क-वितर्क इत्यादि को विशेष महत्व प्रदान किया जाता है। निर्देशन तथा परामर्श की प्रक्रिया एक-दूसरे से पृथक है।

Uses of Language :
Turn Talking, Interactions, and Conversation listening

बात-चीत में मोड़ तब होता है। जब एक व्यक्ति सुनता है जबकि दूसरा व्यक्ति बोलता है। जैसे-जैसे बातचीत आगे बढ़ती है, श्रोता और वक्ता की भूमिकाएं आगे और पीछे (चर्चा का एक सूत) का आदान-प्रदान होता है। सामाजिक संचार में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए बच्चों को विकसित करने के लिए टर्न लेना एक महत्वपूर्ण कौशल है। यदि कोई बच्चा बातचीत के दौरान मोड़ लेने में सक्षम नहीं है तो वे दूसरे व्यक्ति को बाधित कर सकते हैं जो बोल रहा है। या सक्रिय रूप से नहीं सुन सकता है। सामाजिक परिस्थितियों में बारी-बारी से संघर्ष करने वाले बच्चों को कक्षा में मित्रता के निर्माण में परेशानी हो सकती है।

यदि कोई बच्चा भाषण या भाषा में देरी का अनुभव करता है तो वे मोड़ लेने के साथ संघर्ष कर सकते हैं। विकासात्मक देरी या आत्मकेंद्रित स्पेक्ट्रम विकार (एएसडी) वाले बच्चों में इस कौशल के साथ चुनौतियाँ हो सकती हैं।

क्योंकि [illegible] पर [illegible] ज्ञान अधिक [illegible] व्यावहारिक जीवन में भी [illegible] उपयोगी [illegible]।

[illegible]

उदाहरण - [illegible]

[illegible] बच्चों के लिए अलग-2 तकनीकें हैं। जो बच्चों के लिए प्रभावी हो सकती हैं। यह उनकी अनुभूति सीखने की शैली पर निर्भर करता है।

Scanned with CamScanner